अमेरिकी विश्वविद्यालयों की चुनौतियां

विकल्प और ज़िम्मेदारियां

भावना मुरली

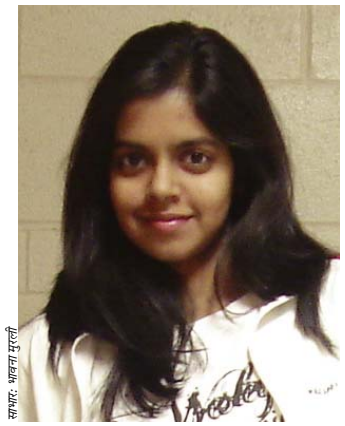

साभार: भावना मुरली

वाल मार्ट्स और मैक्डॉनल्ड्स दो ऐसी चीजें हैं, जो अमेरिका में रहने पर आपकी नज़र से नहीं हटतीं। दो और चीज़ें हैं जिनकी कमी शायद ही कभी महसूस होती हो- विकल्प और सुअवसर। बहुत तरह के केकों की तरह, बहुत तरह के कोर्स और कॉलेज, और उनमें से भी मनपसंद कोर्स व कॉलेज चुनने के तमाम अवसर मिलते हैं।

अपना मनपसंद विश्वविद्यालय चुनने के लिए बस एक बात ज़रूरी है- यह काम जरा जल्दी शुरू कर दें, दूसरों की राय के आधार पर नहीं बल्कि अपनी ज़रूरत को देखकर। विद्यार्थी अपने लिए यूनिवर्सिटी चुनते समय आमतौर पर केवल रैंकिंग पर विचार करने की गलती कर बैठते हैं। सच पूछें तो शुरुआत के लिए यही अच्छा रहता है मगर समापन के लिए नहीं।

केवल रैंकिंग के आधार पर आवेदन करने में परेशानी यह है कि प्रवेश के मामले में रहस्य और संयोग बना रहता है। आपको पक्के तौर पर यह पता नहीं लगता कि प्रवेश के लिए चयन की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों की भीड़ में आपका भी नाम आता है या नहीं। यों भी, कोई ज़रूरी नहीं कि जो किसी और के लिए सर्वोत्तम है वह आपके लिए भी हो। इसलिए सदैव तीन तरह के विश्वविद्यालयों के लिए आवेदन करना चाहिए: पहला, ''इसमें तो प्रवेश लगभग नामुमकिन लगता है,'' दूसरा, ''मेरे विचार से मुझे इस विश्वविद्यालय में प्रवेश मिल जाना चाहिए,'' और तीसरा, ''इस कॉलेज में तो पक्की बात है, प्रवेश मिल ही जाएगा।''

इसके अलावा आपको कई अन्य बातों पर भी ध्यान देना होगा। प्रवेश के बारे में निर्णय लेने के लिए इन पर भी ध्यान दें: वहां कौन-कौन से कोर्स पढ़ाए जाते हैं, प्रोफेसर कैसे हैं, कक्षाएं कितनी बड़ी लगती हैं, विद्यार्थियों की विविधता, सरकारी स्कूल है या निजी संस्था और कैम्पस का जीवन बनाम शहर का जीवन।

प्रवेश के मामले में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के लिए कभी यह मत सोचिए कि 'देर से भी आवेदन कर सकते हैं'। बल्कि यह सोचना चाहिए कि 'जितना जल्दी हो सके, आवेदन कर दें।' आवेदन की प्रक्रिया बहुत लंबी और थकाऊ होती है। आपको सफलता मिल ही जाए, इसके लिए अपनी ओर से जल्दी करें। सबसे अच्छा तो यह रहेगा कि जब आप जूनियर हाईस्कूल में पढ़ रहे हैं तभी यह काम शुरू कर दें। यही वह समय है जब अमेरिकी विद्यार्थी विश्वविद्यालयों में जाकर प्रवेश की जरूरतों का पता लगाने लगते हैं।

अगर आपका सैट स्कोर शानदार नहीं हैं तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। हां, स्कोर अच्छे होने पर आवेदन का वजन बढ़ जाता है। लेकिन, चयन के लिए स्कोर और शैक्षिक योग्यता ही सब कुछ नहीं है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों को हरफनमौलाओं की भी तलाश रहती है। वे विद्यार्थी के शौक को भी अहमियत देते हैं जैसे संगीत, नृत्य, खेलकूद या समाज-सेवा।

ज़्यादा जानकारी के लिए:

ओहायो वेज्लेयन यूनिवर्सिटी

http://www.owu.edu/

वेज्लेयन यूनिवर्सिटी में कॉपीराइट गाइडलाइन

http://library.owu.edu/scrcopyright.htm

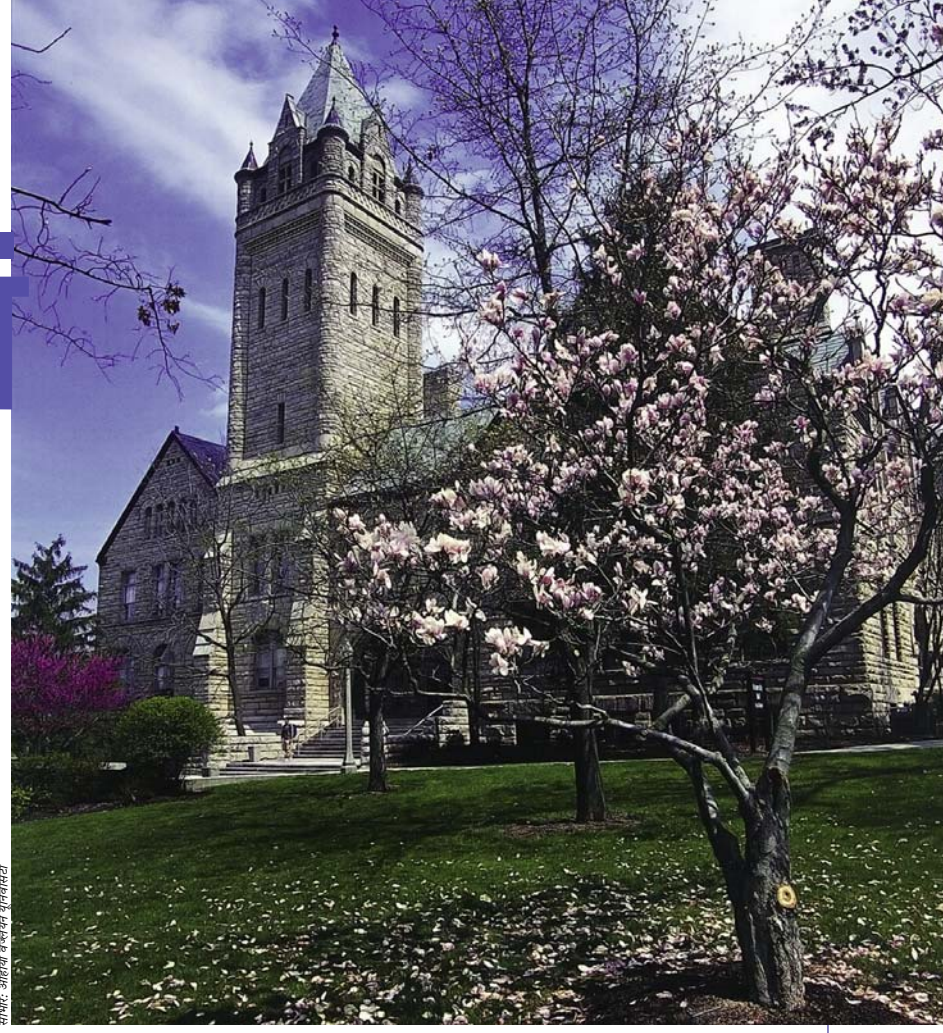

साभार: ओहायो वेज्लेयन यूनिवर्सिटी

मैट एर्मान्स © ए.पी. - डब्ल्यू डब्ल्यू पी./द डेलावेयर गज़ट

दाएं: ओहायो वेज्लेयन यूनिवर्सिटी का यूनिवर्सिटी हाल सौ साल पहले बनाया गया। अपनी ऊंची बेल टावर और छतों के कारण यह एक लैंडमार्क बन गया है। नीचे दाएं: ओहायो वेज्लेयन यूनिवर्सिटी का एक छात्र बर्फ में चलकर यूनिवर्सिटी हाल की तरफ जा रहा है।

''जल्दी शुरुआत रहती है बेहतर।''

वे एक और चीज को भी अहमियत देते हैं। वह है- नेतृत्व की क्षमता। केवल एक परीक्षा के ग्रेड से आपकी पूरी काबलियत का पता नहीं लगता। इसलिए अगर आपको लगता है कि आपके सैट के स्कोर बहुत अच्छे नहीं हैं तो हाथ पर हाथ रख कर मत बैठ जाइए! बल्कि स्कूल क्लबों में जाइए, उनकी गतिविधियों में भाग लीजिए। क्लब की किसी गतिविधि में आपकी रुचि है तो उसमें मदद कीजिए। उसे प्रोत्साहित करने वाली किसी गैरसरकारी संस्था (एनजीओ) से जुड़ जाइए। खेलकूद में भाग लीजिए, टीम का नेतृत्व कीजिए, अपनी क्षमताओं को उजागर कीजिए। विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपना अनुभव बढ़ाइए। क्या पता, इनमें से कौन आपको दूसरे आवेदकों से बेहतर साबित कर देगा।

जब मैं हाईस्कूल में थी तो मैं हर रोज स्कूल के बाद संगीत की कक्षा में जाने से नफरत करती थी। मुझे शिकायत थी कि मुझे दोपहर बाद की मीठी नींद से हाथ धोना पड़ता था। लेकिन, आज जब उन दिनों के बारे में सोचती हूं तो मुझे कोई मलाल नहीं होता। उस प्रशिक्षण के कारण मुझे भारतीय कंठ संगीत में राष्ट्रीय स्तर का सरकारी वजीफा मिल गया और इसने अमेरिका में पढ़ने के मेरे आवेदन का वजन बढ़ा दिया। अच्छे शैक्षिक प्रदर्शन के साथ-साथ पाठ्येत्तर गतिविधियों में भाग लेने के कारण अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने मेरा आवेदन स्वीकार कर लिया।

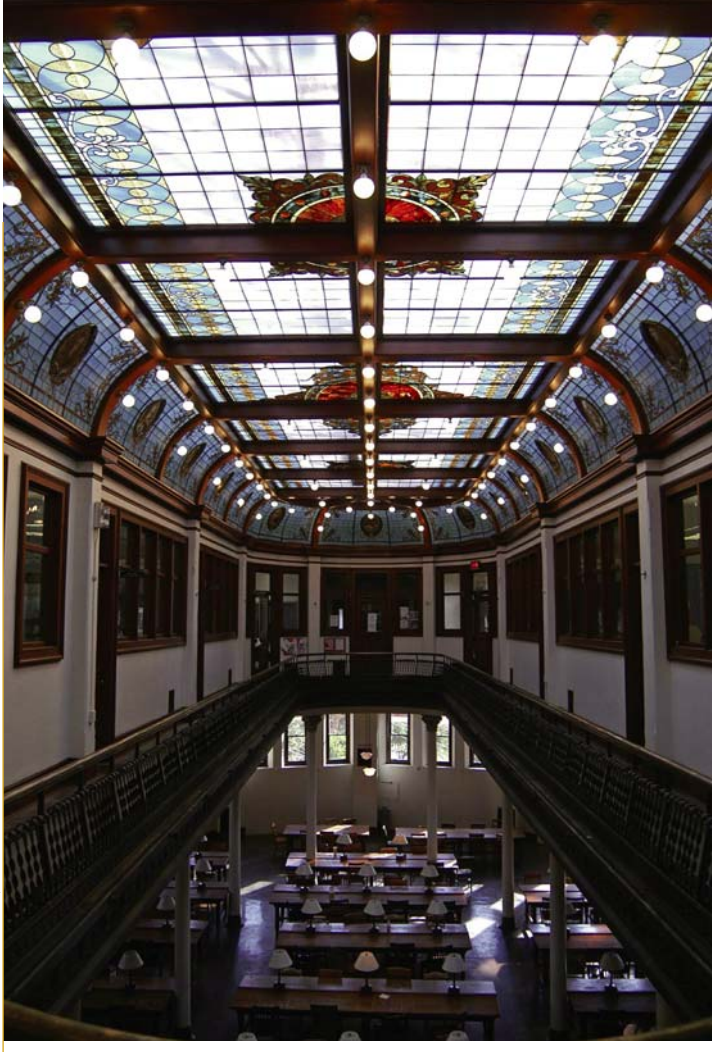

फोटो साभार: ओहायो वेस्लेयन यूनिवर्सिटी

बाएं: ओहायो वेज्लेयन यूनिवर्सिटी के स्लोकम हाल का रीडिंग रूम कैंपस में सर्वाधिक सुंदर जगहों में से है। इसमें रोमन आर्केड और स्टेन्ड कांच की स्काईलाइट हैं।
बाएं बीच में: वेज्लेयन के छात्र विभिन्न पृष्ठभूमियों से आते हैं।
बाएं नीचे: ओहायो वेज्लेयन में समकालीन नृत्य समूह ऑर्चेसिस।

भारतीय विद्यार्थी जब अमेरिका पहुंच जाते हैं तो उन्हें भोजन से लेकर वहां के लोगों, वहां की संस्कृति और शैक्षिक वातावरण के अनुसार अपने-आप को ढालना पड़ता है। उन्हीं परिस्थितियों के अनुरूप बनना पड़ता है। भारतीय विद्यार्थियों के लिए यह ज़रूरी है कि वे अलग-थलग न रह कर दूसरे देशों के विद्यार्थियों के साथ घुल मिल कर रहें। अमेरिका में शिक्षा प्राप्त करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वहां विभिन्न देशों के विद्यार्थी होते हैं। विभिन्न जाति-धर्मों, देशों और संस्कृतियों के विद्यार्थियों के साथ बातचीत करना एक रोमांचक अनुभव होता है। आप दुनिया के विभिन्न देशों के रहने वालों के दोस्त बन सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि आपके मन में किसी भी देश या जाति के बारे में कोई पूर्वाग्रह नहीं होता।

अमेरिका की क्लासरूम संस्कृति में अपने-आप को ढालने में थोड़ा समय लगता है। वहां की शिक्षा प्रणाली भारत की तुलना में बहुत अलग है। वहां की कक्षा कहीं अधिक अनौपचारिक है और उसमें आपसी चर्चा ज़्यादा होती है। अध्यापन में चर्चा को अधिक महत्व दिया जाता है। इसलिए लक्ष्य यह होता है कि कक्षा में विचारों का आदान-प्रदान करके ज्ञान अर्जित किया जाए। कुछ कोर्सों में ग्रेडिंग के लिए कक्षा में उपस्थिति का भी मूल्यांकन किया जाता है। कहने का मतलब, कक्षा में जुबान खोलना जरूरी है!

भारतीय शिक्षा प्रणाली में आप रट कर परीक्षा में पास हो सकते हैं। लेकिन, अमेकि में बिना संदर्भ दिए ज़्यों-का-त्यों उतार देना अपराध माना जाता है। अधिकांश भारतीय विद्यार्थियों को ऐसी नकल से सावधान रहना चाहिए। हो सकता है, ऐसा अनजाने में हो जाए लेकिन इस तरह की नकल के लिए आदत को दोष नहीं दिया जा सकेगा। इसलिए रट कर याद करने यानी सतही ज्ञान से कहीं अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने की यह प्रक्रिया भारतीय विद्यार्थियों के लिए बहुत बड़ी चुनौती होती है।

वहां के खाने की आदत डालनी पड़ती है। ज़्यादातर खाने के कारण ही घर की याद सताती है। आपका पसंदीदा व्यंजन भले ही भारतीय न रहा हो, फिर भी सेमेस्टर के एक हफ्ते बाद ही आपको वे चटपटे मसाले और सड़क किनारे बिकने वाले स्वादिष्ट व्यंजन याद आने लगते हैं। लेकिन, यह तो होता ही है। आपको धीरे-धीरे वहां के भोजन की आदत पड़ेगी।

अमेरिका में और विशेष रूप से कॉलेज में मेरा पहला साल शानदार रहा। डेलावेयर, ओहायो स्थित ओहायो वेज्लेयन विश्वविद्यालय एक छोटा-सा, उदार विचारों वाला आर्ट्स कॉलेज है। यह विश्वविद्यालय सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और विविध देशों के विद्यार्थियों के लिए जाना जाता है। विश्वविद्यालय समुदाय आपस में अतंरंग रूप से जुड़ा हुआ है और सभी का खुले दिल से स्वागत करता है। इस विश्वविद्यालय में अपने प्रथम वर्ष के दौरान मेरी अमेरिका तथा अन्य अनेक देशों के विद्यार्थियों से अच्छी मित्रता हो गई। मुझे अब ऐसा लगता है जैसे हर देश में मेरा घर है। घर से दूर रहने के मेरे इस प्रथम वर्ष ने मुझे अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ-साथ अपने उत्तरदायित्व का भी पाठ पढ़ाया है। अमेरिका में अंडरग्रेजुएट पढ़ाई जीवन का एक अनोखा अनुभव है। यह ज्ञान अर्जित करने के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास का समय होता है। कॉलेज के दूसरे वर्ष में कदम रखने पर मैं अर्जित शिक्षा का लाभ उठाने की बात सोचती हूं और विद्यार्थी के रूप में अपने जीवन के एक-एक पल का आनंद उठाने की उम्मीद करती हूं।

***भावना मुरली** ओहायो वेज्लेयन विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की विद्यार्थी हैं।*